हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 15 जुलाई 2024

11 सामाजिक सरोकारों में प्रयास संगठन का ...

12 नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति...

खबर संक्षेप

मकान का ताला तोड़कर की चोरी, मामला दर्ज

बाढ़ड़ा। गांव पालड़ी में सरकारी अध्यापक के मकान का ताला तोड़कर चोरी कर ली गई। उसने पुलिस को शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी शिकायत में पालड़ी के अशोक कुमार ने बताया कि वह अध्यापक के पद पर कार्यरत है। उसकी पोस्टिंग रावमावि चंदेनी में हैं और वह परिवार सहित महेंद्रगढ़ रहता है। उसका मकान पालड़ी में भी है जहां वह आता जाता रहता है। रात के समय चोर पालड़ी स्थित उसके मकान का ताला तोड़कर वहां से 34 इंची एलइडी, दो चांदी के सिक्के और 10 हजार 200 रुपये चोरी कर ले गए।

एमके अस्पताल में रक्तदान शिविर आज

भिवानी। रक्तदान को ऐसे ही महादान नहीं कहा जाता, रक्त ऐसी चीज है, जिसका कोई विकल्प नहीं है। गंभीर बीमारी या दुर्घटना में रक्त की कमी और समय से रक्त ना मिलने से भारत में 30 प्रतिशत लोगों की मौत हो जाती है। इसी कड़ी में कल सोमवार 15 जुलाई को भिवानी-रोहतक मार्ग स्थित एमके अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के आयोजक बलराज कुमार ने बताया कि रक्तदान शिविर में युवा रक्तदाता भाग लेंगे।

घर के आगे खड़ी बाइक चोरी मामला दर्ज

बवानीखेड़ा। वार्ड 16 में घर के आगे खड़ा मोटरसाइकिल चोरी हो गया पुलिस में दी शिकायत में तोशाम के गांव दांग खुर्द निवासी संदीप कुमार ने बताया कि वह वीरवार को बवानी खेड़ा रिश्तेदारी में विवाह में शामिल होने आया हुअ था। वार्ड 16 हनुमान ढाणी में से घर के आगे खड़ी उसकी बाइक चोरी कर ली गई। वहीं दूसरी और बड़सी गुजरान निवासी रेखा रानी ने बताया कि वह गांव के ही आंगनवाड़ी केन्द्र में वर्कर के पद पर कार्यरत है। चोर आंगवाड़ी केंद्र का ताला तोड़कर दो गैंस सिलेंडर, सोलर बैटरी चोरी थे।

धान के खेतों की दरारों में अरमान बिना बारिश के किसान हुए परेशान

फसल में नहीं हो पा रही पानी की पूर्ति ,नहरों में नहीं पहुंचा पानी, सूखने लगे पौधे

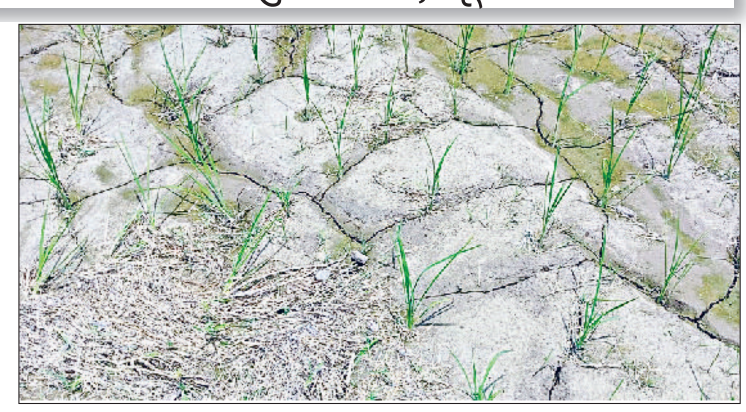

किसान कभी आसमान की तरफ तो कभी नहरों की तरफ देख रहे हैं

हरिभूमि न्यूज भिवानी

भले ही चहुंओर बारिश के पानी से हाहाकार मचा हो,लेकिन भिवानी व आसपास के इलाकों में बिन पानी के सब कुछ शून्य होने लगा है। बारिश न होने की वजह से खरीफ की फसलें तो पूरी तरह प्रभावित हो रही है। साथ में किसानों के लिए नकदी माने जाने वाली फसल धान की पौध भी मुरझाने लगी है।

हालात ये बने है कि जिन किसानों ने अपने खेतों में धान की रोपाई करवा दी। उनके लिए नई मुसीबत बन गई है। क्योंकि बारिश न होने की वजह से धान के खेतों में दरारें बनने लगी है। अगर इसी तरह पानी की कमी बनी रही तो इस बार किसानों को मोटा नुकसान उठाना पड़ सकता है। इस वक्त अनेक किसानों ने अगेती धान की फसल की रोपाई करवा दी है,लेकिन सिंचाई की पूर्ति नहीं हो पा रही है। फिलहाल नहरों में पानी नहीं पहुंचा और न ही अभी तक बारिश भी नहीं आई है। ऐसे में किसानों के लिए फसलों की सिचांई करना टेढी खीर साबित हो रही है। जून माह के अंतिम सप्ताह में जबरदस्त बारिश होने की भवष्यिवाणी की गई। बारिश भी हुई,लेकिन एक बार विराम लगने के बाद बारिश नहीं हो पाई है। जिस वक्त बारिश हुई थी। उस वक्त किसानों को लगा था कि अच्छी बारिश होगी और धान की फसल की रोपाई शुरू करवा दी।

अगेती धान की रोपाई की वजह से बनी समस्या

इस बार बारिश की पहले आने की भवष्यिवाणी की गई थी। किसानों ने भी उसी हिसाब से खेतों में धान की फसलों की रोपाई शुरू कर दी। एक बार बारिश आने के बाद रूक गई। ब्रेक लम्बा होने चलते फसलें मुरझाने लगी। धान की फसलें भी मुरझाने लगी है। धान के खेतों में पानी के अभाव में दरारे बन गई। अगर ये दरारें ओर दो दिनों तक बनी रही तो धान के पौधों का फुटाव रूक जाएगा। धान की औसतन पैदावार घटेगी और किसान को मोटा नुकसान होगा। बारिश न होने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ नजर आने लगी।

कई किसानों ने अगेती धान की फसल रोप भी दी। उस वक्त नहरी पानी भी पहुंचा,जोकि केवल चार दिनों तक ही चल पाया। उसके बाद धान की फसलों की सिंचाई किसानों के लिए टेढी खीर साबित होने लगी। किसान कभी आसमान की तरफ तो कभी नहरों की तरफ देख रहे हैं । न तो नहरों पानी पहुंचा है और न ही बारिश हुई है।

भिवानी। अस्सिटेंट कमांडेंट बनने पर अश्विनी शर्मा का अभिनंदन करते लोग।

अश्विनी यूपीएससी की परीक्षा पास कर बने अस्सिटेंट कमांडेंट

■ सीएपीएफ अस्सिटेंट कमांडेंट की परीक्षा में पाया 86वां रैंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

सीएपीएफ अस्सिटेंट कमांडेंट पद के लिए अगस्त-2023 में हुई यूपीएससी परीक्षा का परिणाम हाल ही में घोषित हुआ हैं। परीक्षा में गांव गुजरानी निवासी फोरमैन शिवनारायण शर्मा के पौत्र व रमेश शर्मा के पुत्र अश्विनी शर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर 86वां रैंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर समस्त गांव व जिलावासियों को गौरवांवित किया है।

अश्विनी की उपलब्धि पर गांव गुजरानी में उनका सम्मान समारोह आयोजित किया। इस मौके पर गांव के सरपंच सुरेश शर्मा, रमेश मास्टर, डॉ. दलबीर सिंह, रमेश शर्मा, महिपाल सिह, गजानंद मास्टर, वेदप्रकाश मास्टर, जगदीश चंद्र, पंडित हरिराम शर्मा, सुगीन शर्मा, नीरज शर्मा, मुरारीलाल सहित अन्य ग्रामीणों ने अश्विनी को फूल-मालाएं पहनाकर अभिनंदन किया। इस मौके पर सरपंच सुरेश शर्मा ने कहा कि भिवानी जिले के युवाओं ने अपनी प्रतिभा के दम पर खेल व शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पटल पर देश को गौरवांवित किया है। इसी फेहरस्ति में अब अश्विनी शर्मा का नाम भी जुड़ गया है, जिन्होंने यूपीएससी के तहत सीएपीएफ अस्सिटेंट कमांडेंट की परीक्षा पास कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है। अश्विनी शर्मा ने कहा कि उनका उद्देश्य हमेशा से देश सेवा का रहा है तथा इसी उद्देश्य को लेकर उन्होंने मेहनत की, जिसका परिणाम उन्हें मिला है। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता में उनके परिजनों व गुरुजनों का विशेष योगदान है।

सेना की मेडिकल टीम गांव कांहड़ा में 21 को रक्तदान शिविर लगाएगी

बाढ़ड़ा। 21 जुलाई को कान्हड़ा में सेना की मेडिकल टीम द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर को लेकर शिविर की संयोजक टीम द्वारा क्षेत्र के विभन्नि गांवों में रक्तदाताओं और सामाजिक संस्थाओं से मुलाकात कर रक्तदान शिविर में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। टीम सदस्य अमित जाखड़ ने बताया कि 21 जुलाई को भारतीय सेना द्वारा संचालित यह रक्तदान शिविर श्रीराम पब्लिक स्कूल कान्हड़ा में आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में 500 यूनिट का लक्ष्य रखा गया है। इसको लेकर गांव बिलावल, अटेला, बरसाना, डोहका, कालूवाला और हड़ौदी में संपर्क अभियान चलाया गया। कालूवाल स्टेडियम स्थित खेल नर्सरी में भी युवाओं से मुलाकात कर रक्तदान शिविर के लिए आमंत्रित किया गया। शिविर को लेकर युवाओं में काफी उत्साह देखने को मिला।

पानी की समस्या को लेकर वार्डवासियों का फूटा गुस्सा,लगाया जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा स्थित वार्ड 12 में पिछले कई महीनों से पीने के पानी की समस्या को लेकर वार्डवासियों का गुस्सा फूटा और उन्होंने हांसी-भिवानी बिचला रोड जाम कर नारेबाजी की व सोमवार तक समाधान न होने पर जलघर को ताला जड़ने के संकेत दिए।

वहीं जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के उपमंडल अभियंता जयसिंह ने बताया कि वे सोमवार को मौके का निरीक्षण करवाकर समस्या का समाधान करवाएंगें। गौरतलब है कि ग्रीष्मकालीन सीजन चल रहा है और इतनी गर्मी में कस्बा के अनेक वार्डों में पानी की किल्लत रही है लेकिन वार्ड 12 जो नागरिक अस्पताल के पास स्थित है इसमें एक से दो सप्ताह बाद पानी दिए जाने व और वह भी अंतिम छोर तक न पहुंचने के कारण वार्डवासियों को खरीदकर अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है। इसको लेकर वार्डवासियों ने मई व जून माह में दो-दो बार मटके फोड़कर रोष प्रदर्शन कर विभाग के खिलाफ नारेबाजी की थी व कनिठ अभियंता ने दो-चार दिन में समाधान का आश्वासन दिया दिया था उस आश्वासन को भी दो माह से अधिक का समाय बीत गया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। वार्डवासियों ने बताया कि उनके वार्ड में पिछले काफी समय से पानी की समस्या चल रही है। विभाग के कनष्ठि अभियंता सचिन कौशिक पिछले दो माह से भी अधिक समय से कह रहा है कि उनके कनेक्शन को द्वितीय जलघर से जोड़कर पानी की सप्लाई सुचारू रूप से करवाई जाएगी। पूछने पर कभी लेबर की दिक्कत तो कभी कर्मचारी को बुखार तो कभी और बहाने देकर कोरे झूठे आश्वासन दे रहा है।

क्या कहते हैं अधिकारी

इस बारे में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के उपमंडल अभियंता जयसिंह ने बताया कि वे सोमवार को मौका देखकर वार्डवासियों की समस्या का समाधान करने का कार्य करेंगे।

विक्रम ने जीता कांस्य पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

युगांडा अंतरराष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन टूर्नामेंट 2024 में विक्रम सिंह ने कांस्य पदक जीतकर भारत देश के साथ साथ अपने पिता, गुरु और भिवानी शहर का नाम रोशन किया।

विक्रम ने वर्ल्ड रैंक 60वां स्थान हासिल कर सबको गौरवांवित किया। बर्डी बेडमिंट एरिना में प्रैक्टिस करने वाले वक्रिम सिंह ने बताया कि कोच महेश शर्मा ने उन्हें रैकेट पकड़ना सिखाया और उनकी बारीकियों को तराशकर सही खेलना सिखाया और अच्छे टप्सि दिए। विक्रम ने इसका श्रेय अपने पिता बलबीर और कोच महेश शर्मा को दिया। कोच महेश ने कहा कि उनके अकादमी में बच्चों को खेल की बारीकियों के बारे में बताया जाता है और खिलाड़ियों में खेल की भावना पैदा की जाती है, ताकि वह खेल के प्रति समर्पित होकर देश का नाम ऊंचा कर सके। इस मौके पर अनिल शर्मा, मुकेश रखेजा, हितेश जैन, कन्हैया व संजू आदि मौजूद रहे।

इंद्रदेव को खुश करने के लिए लगाया प्रसाद

चरखी दादरी। जिले के गांव सांजरवास के पाना माल पिलान में गांव के मैन बस स्टैंड के पार्क में भगवान इन्द्र देव को खुश करने के लिए हवन यज्ञ का आयोजन किया। हवन यज्ञ पुजारी रामकिशन शर्मा ने विधिवत रूप से मंत्रोच्चारण के साथ किया,उसके पश्चात चावल का प्रसाद आने जाने वाले राहगीरों के बीच वितरित किया। रामभगत शर्मा ने बताया कि दादरी जिले के चारों तरफ बरसात हो रही है, लेकिन न जाने भगवान इन्द्रदेव दादरी क्षेत्र से क्यों रूठे हुए है, इसलिए उन्हें खुश करने के लिए हवन यज्ञ का आयोजन किया। जिले के गांवों में भी वर्षा हो और लोगों को इस भीष्ण गर्मी से राहत प्रदान हो। इस दौरान मास्टर मंगतुराम शर्मा, मास्टर ओमानन्द शर्मा, रोशन शर्मा, इशु शर्मा, प्रहलाद राय, सुरेश, इन्द्र, धर्मचन्द, ओमपाल, वक्रिम, बिजेन्द्र, भक्तिलाल सिंह, लालचन्द, रामपाल, डॉ. प्रमजीत शर्मा आदि मौजूद रहे।

भिवानी। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते रक्तवीर राजेश डूडेजा।

रक्तदान महादान, रक्तदान कर बचाए जरूरततमंदों की जानः डुडेजा

■ दो अस्पतालों में अलग-अलग ब्लड ग्रुप ओ पॉजिटिव व एबी पॉजिटिव फ्रेश ब्लड दान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

रक्तदान महादान है, जागरूक-समझदार लोग रक्तदान करते हैं, लेकिन आज भी ऐसे लोग है जो रक्तदान करने से डरते हैं। वहीं कुछ ऐसे लोग है जो रक्तदान कर नई इबारत लिख रहे हैं। कई समाजिक संस्थाएं लगातार रक्तदान व रक्तदान जागरुकता के लिए कार्य कर रही है। इसी कड़ी में वंशिका फाउंडेशन के मनीष वर्मा व राजेश डुडेजा दोनों रक्तदान के लिए लगे हुए है।

रविवार को भिवानी के दो अस्पतालों में अलग-अलग ब्लड ग्रुप ओ पॉजिटिव व एबी पॉजिटिव फ्रेश ब्लड की जरूरत पड़ने का संदेश मिलते ही एक्टिव रक्तदाता रीतिक, रवन्द्रि सिंह, योगेश, नवीन, नितिन सोनी व अरुण सोनी ने ब्लड बैंक में पहुंचकर रक्तदान किया। इस अवसर पर शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने बताया कि जो व्यक्ति बार-बार रक्तदान करता है, वह दूसरों के लिए भी उदाहरण है। रक्तदान करने से कोई कमजोरी नहीं आती है, बल्कि किसी जरूरतमंद को जरूरत पड़ने पर रक्त मिल जाता है और उसका अमूल्य जीवन बच जाता है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ. मंदीप पंघाल, लैब टेक्नीशियन संदीप नैन, राहुल तंवर, अमन खोखर ने सभी रक्तदाताओं का आभार जताया।

परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

जल और बेटी को सुरक्षित करो, ये दोनों जीवनदायिनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

सत्संग जीव के कल्याण व जीव के अवगुण मिटाकर उसे प्रभु के रास्ते मे चलाता है, लेकिन सत्संग बिना सतगुरु के संभव नहीं, जिसको पूर्ण सतगुरु मिल जाता है, उसका लेखा निबट जाता है। सतगुरु करनी का भेद बताता है, बिना करनी के कल्याण संभव नहीं है, ये सत्संग वाणी राधा स्वामी परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने दिनोद गांव स्थित राधा स्वामी आश्रम में साध संगत के समक्ष प्रकट की। गुरु महाराज ने कहा कि वर्तमान सबसे बड़ा है, वर्तमान में आपको गुरु मिला, सत्संग मिला, इसलिए उसे संवारो। जो बीत गया उसे भूल जाओ, अब केवल आगे की सुध लो, करनी करो। निःसन्देह करनी बड़ी कड़वी होती है। उन्होंने कहा कि भक्ति तो बिना करनी के असंभव है, कहनी के भक्त बगुला भक्त हैं, लेकिन करनी के भक्त सच्चे साधक होते हैं। उनकी लौ परमात्मा में लगी रहती है, संत महात्माओं के ऐसे अनेक उद्धाहरण है जन्हिोंने करनी को अपनाया। उन्होंने कहा कि जब तक बीज नहीं बोओगे तब तक अनाज नहीं पा सकते, वैसे ही बिना करनी के गुरु गद्दी पर बैठ जाए तो भी वो रद्दी ही रहेगा। गुरु महाराज ने कहा कि परिवर्तन हो तो रहा है, लेकिन केवल दिखावे का। सेकंड मिनटों में, मिनट घंटो में, घंटे घड़ियों में, घड़ी दिनों में, दिन सप्ताह में, सप्ताह महीनों में और महीने सालों में परिवर्तित हो रहे हैं, लेकिन हम स्वयं में कोई परिवर्तन नहीं ला पा रहे। परिवर्तन करना है तो खुद में करो और मन को पाक पवत्रि रखो। उन्होंने कहा कि प्रकृति का सरल नियम है गिव एंड टेक, जैसे भाव रखोगे वैसा ही आपको मिलेगा। कितने राजा सेठ साहूकार आए, सोने के महल बना दिए, कोई बलवान हुआ कोई धनवान हुआ, लेकिन जब वो धरा से गए तो खाली हाथ गए।

पॉलीथिन का प्रयोग मत करो, प्रकृति का संरक्षण करो

हुजूर साहेब ने फरमाया कि जिस घर में प्यार प्रेम शांति है, वहां मन में भी शांति रहती है, अपनी इच्छा को अपनी तृष्णा को पूरी करने के लिए हम गलत तरीके से धन कमाते हैं, ऐसे में पूरे घर का वातावरण दूषित होता है। आज घर घर में पाप हो रहे हैं। भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराध होते हैं। झूठ और बेईमानी का प्रचार करोगे तो झूठ और बुराई ही मिलेगी। उन्होंने कहा कि पॉलीथिन का प्रयोग मत करो, प्रकृति,जल और पर्यावरण का संरक्षण करो। जल और बेटी को सुरक्षित करो,जल और कन्या दोनों जीवन दायनी है, दोनों के बिना सृष्टि संभव नहीं है।

जब मैंने प्रेम किया तो मुझे लगा जीवन आकर्षण है जब मैंने भक्ति की तब मुझे लगा जीवन समर्पण है। जब मैं बैठा था तो समझता था कि जीवन उपस्थिति है जब मैं खड़ा था तब समझता था कि जीवन स्थिति है।

-गोपालदास नीरज

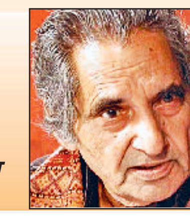

सुग्गा ने उसे बताया कि आखिर क्यों एक संकीर्ण मानसिकता के चलते दोनों पेड़ काट दिए गए। चिरकाल की सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक मान्यताओं का समुच्चय एक साथ भगत पंडित के मस्तिष्क में उभर आया। वक्त बीतता गया। अंततः भगत पंडित गाँव का सरपंच बना। अब उसने अपनी दौड़ को राजधानी तक कर लिया है। इधर सुग्गा को अब भी चबूतरे पर दोनों पेड़ों के फिर से जिंदा होने का इंतजार है। लेकिन पेड़ कहाँ हैं?

कहानी | डॉ. एस.डी. वैष्णव

पेड़ कहाँ हैं

अगर मंदिर पर से एक भी पेड़ काटा, तो ठीक नहीं होगा। भगत पंडित ने बुलेट बाइक से उतरते ही आवाज मुखर की। 'तुम लोगों ने लगाए पेड़ जो काटने चले आए! अरे, पुरखों की विरासत है यह दोनों। मैं देखता हूँ, कौन काटता हैं!' अपने तल्ख लहजे में उसने सबको आगाह किया।

भगत पंडित गाँव में युवा नेता था। सबके हित की बात करता और कहीं अनुचित होता देखता, तो लड़-भिड़ जाने को तत्पर रहता। मुँह फट आदमी था। एक बार खरी कह दी, सो कह दी। उसके वहाँ आते ही मंदिर पर जमा लोगों को जैसे साँप सूंघ गया। उसने कहा, 'पेड़ लगाने के जमाने में पेड़ काटने पर आमादा हो रहे हो!' उसका बोलना हुआ कि सब आगे-पीछे होने लगे।

भगत पंडित की वजह से कुछ पल चबूतरे पर सन्नाटा पसरा रहा। बड़बड़ाते जाते हुए, उसने कश्मीरी मफलर को गले में ठीक से लपेटा। फिर बाइक को किक लगाई। बाइक डुबू-डुबू-डुबू-डुबू करती हुई, आगे निकल गई।

बाइक के लॉन्ग स्ट्रोक इंजन से आती गहरी गड़गड़ाहट देर तक चबूतरे पर सुनाई देती रही। इंजन से आती उस ध्वनि में चेतावनी की गूँज भी मौजूद थी।इधर घर आने के बाद पेड़ों को लेकर भगत पंडित का मन थोड़ा विचलित था।

गाँव के हनुमान मंदिर के लंबे-चौड़े चबूतरे पर अक्सर युवाओं और बुजुर्गों की बैठकें होती रहती थीं। चबूतरे के दोनों कोनों पर खड़े विशालकाय पीपल और नीम का वृक्ष अपने अतीत की गौरव गाथा स्वयं बयां करते थे। रामलीला का मंचन हो, चाहे अखंड रामायण पाठ, चाहे गाँव में यदा-कदा आने वाले छोटे-मोटे राजनेताओं का सम्मान और भाषण कार्यक्रम आदि इसी चबूतरे पर आयोजित होते। गाँव में जब कभी वानर साम्राज्य का आगमन होता, तब वे कई दिनों तक इन दोनों पेड़ों को अपना घर मानकर, डेरा जमाए रहते जो नित्य छोटे बच्चों के लिए कौतूहल का केंद्र बनते।

शीतकाल में चबूतरे पर बनी धूणी पर अलाव लगाया जाता, फिर देर तक बहस चलती- गाँव में कौन क्या कर रहा है, किस-किसी ने कहाँ-कहाँ अपना खूँटा गाड़ रखा है, कहाँ विवाह है और कहाँ मृत्युपरांत होनेवाली बैठकें..इन सब बातों की जानकारी चबूतरे पर मौजूद थी। कुछ पढ़े-लिखे युवा मृत्युभोज का विरोध करते, तो उन्हें चबूतरे की बैठकों से दुत्कार दिया जाता। आरोप लगाया जाता कि ज्यादा पढ़-लिख गए हैं, अब परंपरा को बिसराने की बात कर रहे हैं। बारह दिन का चाल-चलन तो करना ही पड़ता हैं, अन्यथा मृत आत्मा को शांति नहीं मिलती है।

गाँव में दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के समर्थक बराबर रूप से मौजूद थे। एक बार शीतकाल में रूस-यूक्रेन युद्ध का मुद्दा कई दिनों तक अलाव के आसपास मंडराता रहा। युद्ध लंबा चला, लिहाजा बहस भी लंबी चली। बहस का जब राजनीतिकरण होने लगता, तो बात हाथापाई तक भी आ जाती थी।

खैर, यह मन-मुटाव ज्यादा दिन नहीं चलता और किसी बहस के साथ फिर नयी शुरुआत होती। कुछ दिन बाद चबूतरे पर से अफ़वाह भरी यह खबर भी उठने लगी थी कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का संबंध तो राजस्थान से है। और इन सब बातों के मुख्य गवाह यह दोनों पेड़ ही थे।

समय के पड़ाव के साथ चबूतरे पर टीन शेड डालने की योजना बनी, तो सालों से अपनी बाँहें फैलाए अटल विश्वास के साथ खड़े दोनों विशालकाय पेड़ों को धराशायी होना पड़ा।

भगत पंडित के साथ कुछ और लोगों ने भी इस बात का मजबूती के साथ विरोध किया कि नीम के अपने औषधीय गुण हैं, ऊपर से शीतला माता नीम के नीचे ही विराजित हैं। और पीपल का पेड़ तो किसी भी स्थिति में काटना अपशगुन माना जाता है। पीपल का वृक्ष भगवान विष्णु का जीवंत स्वरूप है, इसलिए इनको यथावत रखा जाए। फिर महिलाओं को दशामाता पूजन के लिए भी पीपल का वृक्ष चाहिए! बहन-बेटियां गाँव से बाहर कहाँ जाएंगी!

खैर, इन तर्कों का कोई सार्थक परिणाम नहीं निकला, क्योंकि टीन शेड डालने वालों की तरफ ज्यादा लोग थे। उनका पक्ष मजबूत था। भगत पंडित को सरपंच पद पर निर्विरोध विजय बनाने का आश्वासन मिला, तो उसने भी अपनी जुबान बंद कर दी। अंततः दोनों पेड़ों को टीन शेड के नाम पर जमींदोज होना पड़ा। पक्षियों के घरौंदे जमीन पर बिखर गए और दोनों पेड़ गाँव वालों की यादों में रह गए।

टीन शेड लगा। फिर पंखे भी लगाए गए, लेकिन उन दोनों पेड़ों जैसी शीतल छाया वाली बात अब कहाँ थी..! सुबह-शाम होने वाला पक्षियों का कलरव भी खत्म हो गया था। संध्या वेला में आरती के समय नीम पर दिखने वाला सारंग और सुर्ख गुलाबी रिंग वाला सुग्गा भी अब नजर नहीं आएंगे। पीपल में तो पितरों और तीर्थों का वास होता है, पर अब यह सब अनुभूति कहाँ होंगी! औरतें कहाँ पूजा करेंगी! बड़ी गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई थी।

भगत पंडित के जहन में कवि बिलाल 'वास्कोडिगामा' की पंक्तियाँ तरी हो रही थीं- 'परिंदे नहीं लड़ते पेड़ों से, गौर से देखोङ्ग.लड़ रही हैं कुछ भूखी कुल्हाड़ियाँ, पेड़ों के बदन से।'

भगत पंडित ने भीतर से आहत होते हुए भी इस पूरे प्रकरण पर अपनी आँखें मूंदें रखीं, लेकिन सुग्गा की आँखें खुली थीं। इस घटना में कई पक्षियों के साथ उसकी प्रेयसी की भी मौत हो गई थी। नीम कटते वक्त वह कोटर में मौजूद थी। सुग्गा अमेजॉन प्रजाति का बड़ा विचित्र पक्षी था जो लंबे समय से नीम के कोटर में अपनी प्रेयसी के साथ रह रहा था। उसके पास मनुष्यों के भाषण और ध्वनि संकेत को समझने की दिव्य शक्ति थी; लेकिन गाँव में यह बात किसी को मालूम नहीं थी।

एक बार रात के अंतिम पहर में भगत पंडित ने स्वप्न में देखा कि एक रहस्यमयी सुग्गा उसके द्वारा पर बैठा है। वह उसे गाँव के उन षड्यंत्रकारी लोगों के बारे में बताना चाहता है जो उसे चुनाव में एकतरफा विजय बनाने का आश्वासन दे चुके थे। और आगे उनका राजनीतिक हथकंडा और एजेंडा क्या है? उसे मोहरा बनाकर पेड़ काट दिए गये। सुग्गा ने उसे यह भी बताया कि राजनीति का उसूल है- बड़े बरगद के नीचे छोटा बरगद कभी पनप ही नहीं सकता। और भी बहुत कुछ था उस स्वप्न में...।

स्वप्न ने भगत पंडित को झकझोर दिया। पसीने की बूंदें उसके चेहरे पर तैर आईं। वह उठ बैठा। अपना हुलिया दुरुस्त किया और देखा कि वह अपने कमरे में ही मौजूद है। उसने घड़ी में देखा, अभी दिन फूटने में वक्त था। सपने कौनसे सच होते हैं! यही सोचकर वह फिर से कंबल तानकर सोये रहा।

सुबह जब वह घर से बाहर निकाला तो हतप्रभ था। उसने देखा, सुग्गा ठीक स्वप्न वाली जगह पर बैठा था। भगत पंडित को देख, वह उड़कर मंदिर की ओर चला गया।

भगत पंडित के भीतर द्वंद्व चलने लगा। आखिर कौन है बड़ा बरगद! जो भी हो, वह उससे लोहा लेकर ही रहेगा। पेड़ों के कट जाने का पश्चाताप उसे होने लगा। उसने निश्चय किया कि वह टीन शेड हटवाकर पुनः पीपल और नीम का वृक्ष लगाएगा।उसने अपनी बुलेट बाइक स्टार्ट की और मंदिर की ओर चला। वहाँ उसने देखा, सुग्गा मंदिर के गुंबद पर बैठा था।

कुछ दिन आगे एक बार फिर स्वप्न में सुग्गा ने उसे बताया कि आखिर क्यों एक संकीर्ण मानसिकता के चलते दोनों पेड़ काट दिए गए। चिरकाल की सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक मान्यताओं का समुच्चय एक साथ भगत पंडित के मस्तिष्क में उभर आया।

वक्त बीतता गया। अंततः भगत पंडित गाँव का सरपंच बना। अब उसकी ठसक और रंग-ढंग अलग है। धीरे-धीरे आगे भगत पंडित को विधायकी के टिकट का भी आश्वासन मिलने लगा है। अब उसने अपनी दौड़ को राजधानी तक कर लिया है। इधर सुग्गा को अब भी चबूतरे पर दोनों पेड़ों के फिर से जिंदा होने का इंतजार है। लेकिन पेड़ कहाँ हैं?

चौपाई छंद | शकुन्तला काजल 'शकुन'

संत कबीर दास

ज्येष्ठ मास की पूरण मासी।
नीरू-नीमा तजें उदासी।।
कारण था नन्हा -सा बालक।
आज बने थे जिसके पालक।।

मगहर की धरती मतवाली।
चारों और दिखी खुशहाली।।
ज्यों -ज्यों बढ़ता गया कबीरा।
ज्ञान -ध्यान में तपा शरीरा।।

निर्गुण ज्ञान मार्ग अपनाया।
तज पाखंड विरोध जताया।।
नित बुराइयों की जड़ खोदी।
बहुतेरे जन बने विरोधी।।

इनके शिष्यों ने बतलाया।
नहीं कभी गुस्से में पाया।।
सत्य- अहिंसा के पथ गामी।
अलबेले थे अंतर्यामी।।

जब-जब इनको गया सराहा।
बेबस और गिराना चाहा।।
शेख तकी ने नफरत बो दी।
ईश्वर ने जिह्वा ही खो दी।।

सबद, रमैनी इनके दोहे।
जो हर प्राणी का मन मोहे।।
कबीर बीजक, कबीर साखी।
तैर गए जिस- जिसने चाखी।।

किवता | निधि राठी

पुराना मकान

एक घर था जो ढह गया,
एक वक्त था जो बीत गया,
दीवारों से खिलखिलाहट झड़ने लगी है,
मेरी यादें मुझे मुंह मोड़ने लगी है।

सब कुछ तो छोड़ जाना है एक दिन,
फिर क्या तेरे संग क्या तेरे बिन,
ऐसे गिन कर दिन गुजार रही हूं,
मानो किसी का क़र्ज़ उतार रही हूं।

वो रह गया अंदर जो कहना था,
कुछ सह चुके थे,
पर शायद अभी और सहना था,
आंगन में नीम का पेड़ मुरझाने
लगा है,
गांव की गलियां सुनसान देखी,
लगा गांव भी शहर सा होने लगा है।

तस्वीर टूटने वाली है,
कांच बिखरने वाला है,
एक तूफ़ान सब बरबस हो जाएगा,
रोक ले नहीं तो पराया हो जाएगा।

खौंफ आता है इन दरारों से,
जो मेरी चौखट में आई है,
वो दूर खड़ी जो हंस रही है,
मैं हूं या मेरी परछाई है।

दरवाजा बंद नहीं होता,
शायद अकड़ गया है,
देखकर इस पुराने मकान की
हालत मेरा दिल बैठ सा गया है,
मकड़ी के बनाए जाल इस
बात का गवाह है,
वीरान रहा, बारिश, ठंड, धूप,
आंधी सब अकेला ही सहता रहा।

खिले फूल किसी एक कोने में
चुपचाप लहराते रहे,
संदूकों में जंग लग गया,
वो कपड़े, गहने यूं ही सड़ते रहे,
मैं जाऊंगी इस जहां से तो
सबको बता कर जाऊंगी,
किला ढह जाएगा, शोहरत मलबे में
दब जाएंगी, रुतबा बिखर जाएगा,
जमीने भी लूट ली जाएंगी।

ग़ज़ल | श्रीभगवान बव्वा

क्या हुआ है आपकी नाराज़गी क्यों चल रही है,
छोड़ भी दे दुश्मनी को उम्र भी अब ढल रही है।

यह नहीं मालूम मुझको दोष जिसका भी रहा हो,
नफरतों की आग लेकिन बस्तियों में जल रही है।

हैं बने अब खास देखो न्याय के वे भी पुरोधा,
पीढ़ियों से कौम जिनकी जुल्म की दल दल रही है।

छोड़कर उसको बुढ़ापे में कहीं मत और जाना,
माँ तेरी हरदम से तेरे प्यार में पागल रही है।

काश उसको तुम सिखाते वह बहुत मजबूत होती,
आज बेबस जो बेचारी हाथ खुद के मल रही है।

कविता | भूपसिंह भारती

एक पेड़ मां के नाम

आओ बच्चों तुम्हें बताएं,
महिमा पेड़ महान की।
पग-पग पर ये सेवा करता,
निस्वार्थ हर इंसान की।

निकल बीज से धीरे धीरे,
पौध पेड़ में पनपता है।
फैलाकर ये बाहें अपनी,
फूलों से लदा महकता है।
पेड़ हरे फिर बाधा सारी,
देखो इस पूरे जहान की।

अपनी शीतल परछाई से,
गर्मी को दूर भगाता है।
ये मीठे-मीठे फल देकर,
मन को खूब लुभाता है।
हरदम खुशियों से भर देता
खुशियों की झोली भर दे,
ये बिन मांगे अंजान की।

कार्बनडाइऑक्साइड ले,
दे ऑक्सीजन जीवनदायी।
मरकर भी ये ईंधन देता,
जीवन इसका है फलदायी।
ये नहीं भेद करता कोई,
अद्भुत माया भगवान की।

बिन पेड़ों के होने लगे,
जग में घने अंधेरे है।
कंक्रीटों के इन जंगलों से,
बढ़ रहे प्रदूषण घेरे हैं।
जीवन बचाने को बनो कड़ी,
इस पौधगिरी अभियान की।

एक पेड़ मां के नाम पर,
जरूर लगे हर आंगन बीच।
आने वाली पीढ़ी को बचाने,
पेड़ को मन लगाकर सींच।
कहे 'भारती' तभी बचेगी,
जिंदगी भावी संतान की।

लघुकथा | सविता गोयल

फर्ज

'क्या फायदा इतना पढ़ लिखकर इसी देश में रहने का? इतने बड़े डॉक्टर बन गए हो तुम। विदेश में एक से बढ़कर एक मौके मिलेंगे तुम्हें आगे बढ़ने के।,

' हाँ चाचा, आगे बढ़ने के मौके तो मिलेंगे लेकिन अपने देश की सेवा करने का मौका मुझे नहीं मिलेगा। जिस देश में रहकर मैंने शिक्षा प्राप्त की है अब यहीं रहकर उस देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाना चाहता हूँ।'

भतीजे के बात सुनकर चाचा ने गर्व से उसकी पीठ थपथपा दी।

' अगर हर बच्चा तुम्हारे जैसी सोच रखे तो हमारे देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।'

लघुकथा | शीला बड़ोदिया

वो गाय

स्कूल की घंटी बजी। नीला बोली, पावी आज मां को खाना बनाने में देर हो गई थी, इसलिए मैं टिफिन नहीं लाई हूं। घर जाकर लंच बॉक्स लेकर आते हैं। स्कूल के बाहर निकल कर पावी बोली, देखो नीला, उस गाय के पेट में कितनी बड़ी गांठ है। वह गांठ के वजन के कारण ठीक से चल भी नहीं पा रही है। हाँ पावी, बेचारी गाय को कितनी तकलीफ हो रही होगी, कितना दर्द हो रहा होगा चलने में। हम तो बोल कर अपनी तकलीफ बता सकते हैं ,लेकिन यह बेजुबान जानवर अपनी तकलीफ किस को कहे और उनकी तकलीफ कौन समझेगा । चलो नीला जल्दी चलो। लंच खत्म हो जाएगा हमें घर से टिफिन लेकर आना है। नहीं तो देर होने पर टीचर हमें डांट लगाएंगे । हां हां पावी चलो, चलते हैं। इतने में गाय उनके पीछे-पीछे भागने लगती है। आगे- आगे पावी और नीला भागते हैं। उनके पीछे-पीछे गाय भागने लगती है। पावी देखो पीछे, हां नीला, हमारे पीछे गाय भाग रही है । यह हमारे पीछे क्यों पड़ी है? हम तो इस पर दया करके उसकी बात कर रहे थे, कि इसे कितनी तकलीफ हो रही होगी, लेकिन यह तो हमारे पीछे ही पड़ गई। नीला जल्दी भागो, जल्दी नहीं तो गाय हमें मार देगी अपने बड़े-बड़े सींग से।

हमारा घर थोड़ी ही दूर रह गया है जल्दी भागो। दोनों की साँस फूल जाती हैं। दोनों नीला के घर पहुंच जाते हैं और गाय दौड़ते हुए आगे की तरफ निकल जाती है घर पहुंच कर पावी और नीला चैन की सांस लेती है । पावी आज तो हम बच ही गए। हां नीला अब हम कभी भी किसी गाय की बात नहीं करेंगे।

सविता मानती हैं कि इस आधुनिक युग में साहित्य, लोक कला और संगीत एक दायरे में सिमट कर रह गए हैं और युवा पीढ़ी की कम होती रुचि का असर सामाजिक और संस्कृति नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इसके जिम्मेदार हम ही हैं, जो सुविधाएं देने के नाम पर बच्चों को साहित्य, संस्कृति, और लोक कला से दूर कर रहे हैं। हास्य के नाम पर द्विअर्थी कविताएं परोसने से समाज पर बुरा असर पड़ रहा है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

आधुनिक युग में साहित्य व लोक कला एक दायरे में सिमटे: सावी

हरियाणा की संस्कृति और संस्कारों की विरासत को संजोने के मकसद से लेखक, साहित्यकार व गायक अपनी कला के हुनर से समाजिक उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। समाज सेवा में सक्रिय ऐसी ही लेखिका सविता गर्ग लोक साहित्य और कला जैसे क्षेत्र में लेखन से संस्कृति संवर्धन करने में जुटी हैं। सविता गर्ग 'सावी' ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया, जिसमें साहित्य और और संस्कारों के प्रति सकारात्मक ऊर्जा के साथ समृद्ध संस्कृति को जीवंत करने में सक्षम है।

सविता गर्ग का जन्म 3 अप्रैल 1983 को जींद के नगूरा गांव में व्यवसायी राम रत्न गोयल के घर में हुआ। माता गृहिणी हैं और घर का माहौल धार्मिक रहा। उनकी मां बहुत अच्छा गाती हैं। बचपन में मां को भजन गाते गुनगुनाते हुए सुना और उनके साथ गाते-गाते कई भजन याद हो गए। बकौल सविता गर्ग जब वह आठ साल की थी तो उनके मामा उन्हें अपने साथ गांव जाजनवाला ले गए और पढ़ाई वहीं हुई। नाना के घर भी वैसा ही माहौल मिला। वह जिस स्कूल में पढ़ती थी, वहां के हेड मास्टर पंजाब सिंह ने उन्हें गाते सुना तो स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रम में गाने के लिए प्रेरित किया। इससे बालमन बड़ी आशाओं से भर गया, जिसके बाद बहुत सारे कार्यक्रमों में नृत्य और गायन दोनों किया। बचपन से ही खासकर कविताएं और कहानियां पढ़ने का शौक था। कोई कागज का लिखा हुआ लिफाफा बहुत सावधानी से खोलकर वह कागज़ के लिफाफों पर लिखी कहानियां भी पढ़ती थी। जहां कहीं कोई कागज़ का टुकड़ा मिलता, बस उसे खोलती और पढ़ती। उस वक्त साहित्य के बारे में तो कुछ भी नहीं जानती थी। वह ग्यारहवीं कक्षा में थी, तो सौभाग्य से वृंदावन जाना हुआ और बस वहीं से जीवन में एक ऐसा मोड़ आया कि घर आने के बाद बार बार वृंदावन जाने का मन करता था, लेकिन संभव नहीं था। मन के इस द्वंद्व में कब कलम हाथ में आई पता ही नहीं चला, जो लिखा है वह एक बहुत अच्छा भजन बन गया और उसके लेखन के केंद्र में कृष्ण कन्हैया ही थे। स्कूल की मैगजीन और उसके बाद कॉलेज की मैगजीन में मछोटी छोटी रचनाएं प्रकाशित हुई। इसके अलावा दहेज प्रथा, भ्रूणहत्या, नारी उत्पीड़न और भी कई विषयों पर कविताएं लिखी। सौभाग्य से एक बार उनके कॉलेज में जींद के जाने माने साहित्यकार राजेंद्र मानव गोष्ठी के उद्देश्य से आए, जिनके सामने उन्हें भी कविता पढ़ने का अवसर मिला, जिसे खूब सराहा गया। इसके बाद उन्हें गोष्ठियों में मंच पर गाने का निमंत्रण मिले, जहां से उनकी साहित्यिक गतिविधियां सार्वजनिक हुई। साहित्य और लोककला के क्षेत्र में उतार चढ़ाव भी एक जीवन का हिस्सा होता है। कुरुक्षेत्र में यूथ फेस्टिवल में पहली बार प्रस्तुति के लिए उसकी हरियाणवी नृत्य और गायन की तैयारी थी, लेकिन पिता ने जाने से इंकार कर दिया। पाबंदी की वजह से पहली बार यूथ फेस्टिवल में प्रस्तुति देने का अवसर खोना पड़ा था। मन बहुत उदास था, लेकिन समझाने पर भी पापा नहीं माने, तो ऐसे में मां उनका सहारा बनी और इस आयोजन में उनकी दोनों प्रस्तुतियां शानदार रही। हरियाणवी में लेखन और गायन उनका फोकस भ्रूणहत्या, दहेज प्रथा के अलावा देश प्रेम, भाईचारा, संस्कृति व आध्यात्मिकता पर रहा है। अभी तक उनके 17 हिंदी और हरियाणवी भजन रिलीज हो चुके हैं। सविता गर्ग राष्ट्रीय कवि संगम पंचकूला इकाई की अध्यक्ष भी हैं। खास बात यह भी है कि हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा एकल काव्य संग्रह के प्रकाशन हेतु पाण्डुलिपत चयनित व अनुदान स्वीकृति प्राप्त सविता गर्ग हिंदी साहित्य सेवा के साथ समाज सेवा में सक्रिय हैं।

सविता मानती हैं कि इस आधुनिक युग में साहित्य, लोक कला और संगीत एक दायरे में सिमट कर रह गए हैं और खासतौर से युवा पीढ़ी की कम होती रुचि का असर सामाजिक और संस्कृति नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इसके जिम्मेदार हम ही हैं, जो बच्चों को साहित्य से दूर कर रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

सविता की प्रकाशित पुस्तकों में एकल काव्य संग्रह 'मेरी उड़ान' और 'मैं मीरा-सी' तथा बाल काव्य संग्रह 'प्यारी सोनपरी' सुर्खियों में हैं। इसके अलावा नशामुक्ति जैसे विषय पर आधारित संयुक्त काव्य संकलन 'ये जिंदगी है अनमोल' तथा संयुक्त काव्य संकलन 'उमंग अभिव्यक्त' में उनकी कविताएं प्रकाशित हुई हैं। राज्य की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में प्रकाशित सांझा बाल काव्य संकलन 'दुनिया गोल मटोल' में उनकी कविताओं को प्रमुखता से स्थान मिला है। उनके 17 भजन जारी हो चुके हैं। विभिन्न समाचार पत्रों पत्रिकाओं में हिंदी व हरियाणवी कविताओं व गीतों का प्रकाशन होता आ रहा है।

सविता गर्ग 'सावी'

पुरस्कार व सम्मान

उन्हें अंतरराष्ट्रीय पद्म शौर्य सम्मान, भारत गौरव सम्मान, मैथिली शरण गुप्त सम्मान, हरियाणा भूषण सम्मान, नारी शक्ति सम्मान, कोकिला रत्न सम्मान, युवा शताब्दी साहित्यकार सम्मान, निर्भया अवार्ड, मधुशाला गौरव सम्मान, अमृत महोत्सव काव्य गौरव सम्मान, हरियाणा गौरव काव्य दर्पण सम्मान, अग्र गौरव सम्मान, वूमेन वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा वूमेन इंस्पिरेशनल अवार्ड के सम्मान प्रमुख हैं। उन्हें बिहार की संस्था विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ द्वारा विद्यावाचस्पति की मानद उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: सविता गर्ग 'सावी'
जन्मतिथि: 3 अप्रैल 1983
जन्म स्थान: गांव नगूरा, जींद(हरियाणा)
शिक्षा: स्नातक डिग्री(जन प्रशासन)
संप्रति: समाज सेविका, गायिका, स्वतंत्रत लेखन

लोहिया के समाजवाद से परिचय कराती पुस्तक

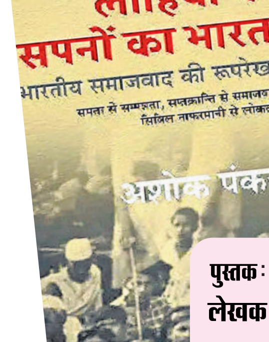

पुस्तक : लोहिया के सपनों का भारत
लेखक : अशोक पंकज
प्रकाशक : राजकमल

पुस्तक समीक्षा | डॉ. जितेंद्र प्रसाद

लोहिया के बारे में लिखना संवेदनशील और गंभीर कार्य है, जिसको इस पुस्तक के लेखक ने बखूबी निभाया है। लोहिया अपने आपमें एक प्रतिरोध हैं, जिन्होंने तत्कालीन समय के राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय विचारधाराओं के बरक्स स्वयं की समाजवादी विचारधारा को एक विकल्प के रूप में खड़ा किया। लोहिया के समाजवाद संबंधी विचार, उनकेभाषणों, लेखो, में बिखरा हुआ है जिसे प्रो.अशोक पंकज ने संक्षिप्त पुस्तक में बड़ी सहजता के साथ पेश किया है। उम्मीद है कि इस पुस्तक के माध्यम से लोहिया के विचारों पर शैक्षणिक जगत और आमजनमानस में चर्चा-परिचर्चा एवं विमर्श की एक नई शुरूआत होगी। लोहिया के विचारों को आमजनमानस तक पहुँचाना लेखक का एक प्रमुख उद्देश्य है, जिसमें वे सार्थक हुए हैं। इस पुस्तक में लेखक ने लोहिया के समाजवाद के विचारों को सैद्धांतिक, वैचारिक एवं अन्य पहलुओं को पांच खंडों में प्रस्तुत किया है। पहला खंड, लोहिया के समाजवाद की रूपरेखा है; दूसरा खंड, लोहिया के सैद्धांतिक पहलुओं, जिसमें समता से संपन्नता, सिविलनाफ़रमानी से लोकतंत्र को बताया गया है; तीसरा खंड, लोहिया के वैचारिक पहलू; चौथे खंड में व्यावहारिक पहलू, तथा पांचवें खंड में उनके विचारों की समसामयिकता का विश्लेषण किया गया है। लेखक ने पुस्तक में लोहिया के विचारों के सैद्धांतिक पहलुओं को प्रस्तुत करने के साथ उनके विचारों का भविष्य में क्या आधार होगा, यह संभावना भी तलाशी है।

प्रो.पंकज ने पुस्तक में लोहिया के सपनों के भारत का महत्वपूर्ण स्तंभ 'चौखंभा राज' की अवधारणा को सरल तरीके से व्याख्या की है, जिसमें लोहिया सत्ता का विकेंद्रीकरण करना चाहते हैं। लेखक ने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रति व्यक्ति आय में असमानता, बढ़ती गरीबी, जातीय एवं वर्ग भेद, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के सुविधाओं की कमी रोजगार का संकट के आँकड़ों को प्रस्तुत कर यह साबित किया है कि,'लोहिया के सपनों का भारत' का निर्माण अधूरा है और उसके लिए उनके विचारों को समझाने एवं कार्यक्रमों को सही संदर्भों में लागू करने पर बल दिया है । लेखक 'लोहिया के सपनों का भारत' के निर्माण को समसामयिक राजनीतिक परिदृश्य से गायब पातेहैंऔर उसे साकार होने की उम्मीद के रूप में देखते हैं। उन उम्मीदों में इस पुस्तक की प्रासंगिकता है और इसकी सार्थकता भी।

वित्त मंत्री जेपी दलाल ने प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रतिभाओं को किया सम्मानित

सामाजिक सरोकारों में प्रयास संगठन का अवस्मिरणीय योगदान : मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लोहारू

प्रदेश के वित्त मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि शिक्षा की लौ से अज्ञानता का अंधकार दूर होने के साथ साथ समाज समृद्ध और खुशहाल बनता है। सभ्य नागरिकों की विवेकशीलता परिवार और समाज को ही नहीं बल्कि राष्ट्र को भी मनाए बनाते हैं। प्रयास एक कोशिश सामाजिक संगठन सामाजिक सरोकारों को बल देकर सराहनीय कार्य करता रहा है, जिसके लिए इस संगठन के सभी सदस्य बधाई के पात्र हैं। वत्ति मंत्री जेपी दलाल रविवार को स्थानीय अनाज मंडी परिसर में प्रयास एक कोशिश सामाजिक संगठन के तत्वावधान और डीईईओ संतोष नागर की अध्यक्षता में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं में मेरिट सूची में स्थान हासिल करने वाले लोहारू खंड के सरकारी वद्यालयों में पढ़ने वाले करीब 200 से अधिक विद्यार्थियों को मेडल और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं प्रयास संगठन को पांच लाख रुपये का अनुदान देने की घोषणा भी की। प्रतिभा सम्मान समारोह में एसडीएम अमित कुमार, बीईओ विजय प्रभा, जितेंद्र गागड़वास, समाज सेवी रमेश कौशिक ने बतौर विशष्टि अतिथि शिरकत करते हुए कार्यक्रम की सराहना की। वित्त मंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद छात्र छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपनी रुचि अनुसार विषयों का चयन कर पूरी मेहनत के साथ पढ़ाई करें, उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा सुविधा मुहैया करवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उसी का परिणाम है कि सरकारी स्कूल के वद्यार्थी में बोर्ड परीक्षाओं और सुपर-100 में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। मेधावी वद्यार्थियों को मेडल व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

एसडीएम अमित कुमार ने भी मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया और करियर को लेकर दबाव न मानकर अपनी रुचि के अनुरूप आगे बढने के लिए प्रेरित किया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता करते हुए जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संतोष नागर ने सभी मेधावी विद्यार्थियों और स्कूल मुखियाओं को बधाई देते हुए विश्वास दिलाया कि प्रदेश सरकार द्वारा विद्यालयों और शिक्षा के उत्थान की जो योजना चलाई जा रही हैं उनको धरातल पर लागू किया जाएगा। प्रयास एक कोशिश सामाजिक संगठन के संस्थापक मा. पवन स्वामी ने संगठन की विभन्नि गतिविधियों के बारे में वस्तिार से जानकारी दी। मंच संचालन मास्टर हरपाल आर्य और धर्मेन्द्र पूनिया ने किया।

लोहारू। आयोजित कार्यक्रम पौधारोपित करते वत्तिमंत्री जेपी दलाल तथा भिवानी के बहल में भाजपा कार्यालय में सीएससी सेंटर का शुभारंभ करते हुए वित्त मंत्री जेपी दलाल। फोटो : हरिभूमि

वित्त मंत्री ने किया पौधरोपण, कहाः लोहारू में बनाएंगे आदर्श हलका

रविवार को प्रदेश के वत्ति मंत्री जेपी दलाल ने लोहारू से ढाणी अकबरपुर सड़क मार्ग के साथ वन विभाग के भूखंड में पौधा रोपण किया। उन्होंने कॉलोनी में भी पौधारोपण किया और एसडीएम अमित कुमार को लघु सचिवालय परिसर तथा रिहायशी कॉलोनी में एक हजार से भी ज्यादा पौधे लगाने के लिए नर्दिश दिए। उन्होंने कहा कि हम मिलकर लोहारू को एक आदर्श हलका बनाएंगे और लोहारू के विकास को देखने के लिए बाहर से भी लोग आएंगे। कृषि ,पशुपालन, मछली पालन, बागवानी आदि की परियोजनाएं पूरी होने के पश्चात किसान और कृषि से जुड़े लोगों की आय बढ़ेगी और खुशहाली आएगी। उन्होंने कहा कि सडक़े, शक्षिा, चिकत्सिा, बिजली, पानी आदि शहरों जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। वत्ति मंत्री जेपी दलाल ने गांव सोहांसड़ा का दौरा कर सेना के जवान बलजद्विं सिंह के निधन पर उनके निवास स्थान जाकर शोक व्यक्त किया और कहा कि भाजपा सरकार ने शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों तथा महापुरुषों के सम्मान में कोई कमी नहीं रहने दी है।

समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे

भिवानी। प्रदेश के वित्त मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि प्रदेश सरकार अंत्योदय की भावना से काम करते हुए समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ने आमजन को सहूलियत देने के लिए व सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाने के लिए ऑनलाइन सेवाओं का वस्तिार किया है। इस योजना से आमजन को घर बैठे सरकारी सुविधाएं प्राप्त हो रही है। वे रविवार को राजकीय कन्या वरष्ठि माध्यमिक वद्यालय के सामने सीएससी केन्द्र का शुभारंभ करने के बाद आमजन के बीच बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार में लोगों को राशन कार्ड, आधार कार्ड, पेंशन सहित अन्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए सरकारी कार्यालयों व दलालों के चक्कर काटने पड़ते थे। लेकिन, भाजपा सरकार ने इन सेवाओं को ऑनलाइन कर आमजन को बड़ी सहूलियत दी है। इस अवसर पर भाजपा मंडल प्रधान सुनील शर्मा, सरपंच साधूराम पनिहार, पवन शर्मा सुरपुरा, महिला मोर्चा उपप्रधान डॉ. सुमन श्योराण, सुनील सिरसी, अजय बिधनोई, सज्जन फौजी बिधनोई, नसीब लाखलाण, हनुमान शर्मा पाजू सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार में युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

- भाजपा शासनकाल में पिछले 10 वर्षो से अनेक समस्याओं से जूझ रहा प्रदेश का हर वर्ग : सिंह युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज सिंह ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश को देश में सुरक्षित राज्यों में गिना जाता था, जहां अपराध, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी का दूर-दूर तक नहीं थी, लेकिन जब से भाजपा सत्ता में आई है, तभी से हरियाणा में सर्फि समस्याएं ही समस्याएं है और अपराध का ग्राफ दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा। धीरज सिंह शहर की वार्ड नंबर-17 की डाबर कॉलोनी में जनसंपर्क अभियान के तहत लोगों को संबोधित कर रहे थे।

धीरज सिंह ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार में हरियाणा प्रदेश में कानून व्यवस्था का बुरी तरह से दिवाला पिट चुका है, जहां पर कोई भी व्यक्ति सुरक्षित नहीं है। आज पूरे प्रदेश में कानून और सरकार का नहीं, बल्कि जंगलराज चल रहा है। रोजाना अलग-अलग स्थानों से फायरिंग की घटनाएं सामने आती है। सबसे बुरा हाल तो व्यापारियों का है, जहां व्यापारियों से फिरौती मांगने जैसी घटनाएं दिनो दिन बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में बेरोजगारी भी चरम पर पहुंच चुकी है, जहां विभन्नि विभागों में हजारों पद रक्ति पड़े है, लेकिन इसके बावजूद भी सरकार कर्मचारियों की भर्ती नहीं कर रही। यही नहीं बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, घोटाले, नशे सहित अन्य समस्याएं दिनो दिन बढ़ती जा रही है। धीरज सिंह ने कहा कि आगामी विस चुनाव में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने का मन बना चुका है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने पर अपराध, भ्रष्टाचार, महंगाई सहित अन्य समस्याओं पर रोक लगेंगी तथा युवाओं को रोजगार के अथाह अवसर उपलबध करवाए जाएंगे।

नवजात कन्या के जन्म पर मनाई खुशी

तोशाम। आधुनिक युग में काफी दफा लोग कन्या के जन्म से पहले ही उसकी गर्भ में हत्या करवा देते हैं। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो कन्या का उनके घर में जन्म होने के लिए मन्नतें मांगते हैं और कन्या जन्म होने पर बेटे से भी अधिक खुशियां मनाने हैं, ऐसा ही तोशाम के वार्ड नंबर 15 में सतबीर सिंह के घर पर देखने को मिला, जो अस्पताल से घर आने पर कन्या आगमन की खुशी में पूरे परिवार ने एकजुट होकर नवजात कन्या का घर में भव्य स्वागत किया और खुशी मनाई। 12 जुलाई को रात्रि के दौरान तोशाम के वार्ड नंबर 15 निवासी सतबीर सिंह के पुत्र अमित की पत्नी पिंकी ने नन्ही कन्या को जन्म दिया। जैसे ही परिवार को कन्या के जन्म की सूचना मिली तो पूरे परिवार में खुशियां छा गई और खुशी का ठिकाना नहीं रहा। पूरे परिवार ने नवजात कन्या के घर आगमन के पलों को यादगार बनाने के लिए घर में जोरदार तैयारी की और पूरे घर को दुल्हन की तरह सजाया। सतवीर सिंह के परिवार में कन्या के जन्म पर जमकर जश्न मनाया।

महिला ने ससुराल पक्ष पर लगाया मारपीट व ताने मारने का आरोप

- पुलिस ने किया मामला दर्ज

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा में जन्मी व हिसार में शादीशुदा महिला ने अपने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने, ताने मारने, मारपीट करने का आरोप लगाया जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। पीड़िता ने बताया कि उसका विवाह हिसार में वर्ष 2022 में हुआ था। विवाह के समय उसके परिजनों ने अपनी हैसियत से ज्यादा खर्च करके दान-दहेज दिया था। विवाह के कुछ समय बाद ही उसके ससुराल पक्ष में पति, दो जेठ, जेठानी, सास दहेज की मांग करने लगे व कम दहेज के लिए उसके साथ मारपीट करके जान से मारने की धमकी देते। शादी के बाद जब वह पहली बार अपनी ससुराल पहुंची तो उसकी सास ने ताना मारा की तू तो भूख व नंगे घर की आ गई है, शादी में कम दहेज लाकर तूने हमारी समाज में नाक कटवा दी।

हांसी जाट धर्मशाला में आज होगी स्पर्धा

हांसी। अखिल कराटे एसोसिएशन की ओर से 15 जुलाई को हांसी की जाट धर्मशाला के इंडोर हॉल में जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाएगा। इसमें शहर भर से लगभग 300 खिलाड़ी भाग लेंगे। अखिल कराटे एसोसिएशन हिसार के प्रधान योगेश शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगीता में हर कैटिगरी से स्वर्ण पदक विजेता खिलाडिय़ों का चयन राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा जो कि हरियाणा खेल कराटे संघ के द्वारा आगामी 19 से 21 जुलाई तक पानीपत में आयोजित की जाएगी। यह जिला स्तरीय प्रतियोगिता सुबह 9 बजे शहर होगी जिसमें शहर भर के अनेक गणमान्य व्यक्ति इस प्रतियोगिता में खिलाडिय़ों को आशीर्वाद देने के लिए पहुंचेंगे। योगेश शर्मा ने बताया कि अखिल कराटे एसो. हिसार, शहर की एकमात्र संस्था है।

भिवानी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया से बातचीत करते राजू मान। फोटो : हरिभूमि

किसान-मजदूर व संगठनों की मांगों को लेकर कांग्रेस प्रभारी से मिले मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

- पार्टी हर वर्ग को साथ लेकर चलेगी और उनके कल्याण के लिए रोड मैप तैयार कर चुनावी घोषणा पत्र जारी करेगी : मान

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की किसान- मजदूर संगठन और सरपंच एसोसिएशन की मांगों पर गंभीरता से विचार कर पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र में शामिल करेगी। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय संयोजक राजू मान ने प्रदेश कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया और चुनाव घोषणा पत्र कमेटी की चेयरमैन गीता भुक्कल से बातचीत के बाद कहा कि पार्टी हर वर्ग को साथ लेकर चलेगी और उनके कल्याण के लिए रोड मैप तैयार कर चुनावी घोषणा पत्र जारी करेगी। किसान नेता राजू मान ने प्रदेश प्रभारी बाबरिया के आगे किसान संगठनों ने एमएसपी की मांग को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि बढ़ती लागत के बाद किसान के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा की राशि भरना मुश्किल हो रखा है। उन्होंने कहा कि फसल बेचने पर कई तरह की शर्तें थोपी जाती हैं जन्हिें हटाया जाना चाहिए। बक्रिी के बाद उठान लेट होने के कारण भुगतान के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। कर्ज मुक्त करने और मंडी वस्तिार की बात भी कई किसान संगठनों ने कही है। नई लेबर कोड लागू होने के बाद श्रमिक को 8 की बजाय 12 घंटे काम करना पड़ेगा, आठ घंटे काम सुनश्चिति किया जाये।

गांव चरखी के ठाडेश्री मंदिर में आंखों की जांच व परामर्श शिविर का शुभारंभ करते महंत पूर्व जिला पार्षद सुमित शर्मा डुडीवाला व महंत कालू महाराज।

शिविर में 175 लोगों की आंखों की जांच

- समाजसेवा के लिए हम सभी को तत्पर रहना चाहिए : डूडीवाला

चरखी दादरी। गांव चरखी स्थित ठाडेश्री मंदिर परिसर में निःशुल्क आंखों की जांच व परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। पूर्व जिला पार्षद एवं राजीव गांधी पंचायती राज चेयरमैन सुमित शर्मा डुडीवाला व उनकी टीम की सामाजिक मुहिम के तहत आयोजित किए जाने वाले शिविरों की कडी में यह 122वां कैंप रहा। शिविर में भिवानी से आए चिकत्सिकों व सहयोगियों ने अपनी सेवाएं दी। इस दौरान 175 लोगों के आंखों की जांच की गई व दवा वितरण किया। शिविर का शुभारंभ सुमित शर्मा ने रिबन काट कर करवाया व सेवा देने वाली चिकत्सीय टीम को सम्मानित किया। उन्होंने सभी से आहवान किया कि समाजसेवा के लिए हम सभी को तत्पर रहना चाहिए। इस दौरान महंत कालू महाराज, डॉ. सत्या, डॉ. नीलम, डॉ. पवन, डॉ. राजकुमार, पूजा, ममता, सुखबीर, प्रेम शर्मा, संदीप शर्मा, मातादीन, मुकेश, राजेंद्र, अजीत आदि मौजूद रहे।

पिचौपा कलां में स्टोन क्रेशर पर मुंशी के साथ मारपीट, तोड़फोड़ भी की , 2.5 लाख रुपये लूटे

- सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर साथ ले जाने के आरोप

हरिभूमि न्यूज, बाढ़ड़ा

पिचौपा कलां क्रेशर जोन में स्कॉर्पियों सवार लोगों द्वारा सूर्या स्टोन क्रेशर पर मुंशी के साथ मारपीट कर तोड़फोड करने व ढाई लाख रुपये की नकदी लूटकर ले जाने का मामला सामने आया है। स्टोन क्रेशर पर कार्यरत मुंशी ने पुलिस को शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच कर रही है। बाढ़ड़ा पुलिस थाना के अंतर्गत आने वाली अटेला चौकी पुलिस को दी शिकायत में राजस्थान के भरतपुर जिला निवासी प्रहलाद ने बताया कि वह पिचौपा कलां में सूर्या स्टोन क्रेशर पर बतौर मुंशी कार्यरत है। उसने बताया कि 13 जुलाई को स्टोन क्रेशर के पानी के बोरवैल की मोटर खराब हो गई। उन्होंने मोटर को ठीक करने के लिए बिजली सप्लाई को बंद कर दिया। उसी दौरान पड़ोस में रहने वाले कुछ लोगों के फोन आए जो जबरदस्ती उनके बोरवैल से बिजली की सप्लाई ले रहे थे। उक्त लोगों ने फोन पर गाली-गलौच किया और जान से मारने की धमकी दी।

बाढड़ा। स्टोन क्रेशर पर आफिस के तोड़े गए शीशे। फोटो : हरिभूमि

गाड़ी में आए 6-7 बदमाश

मुंशी का आरोप है कि रात करीब 11 बजे 6-7 आदमी स्कॉर्पियों गाड़ी में सवार होकर आए और स्टोन क्रेशर पर आते ही मारपीट करने लगे। उक्त लोगों ने वहां पर तोड़फोड़ करते हुए लैपटॉप, प्रिंटर,चारों ओर के शीशे तोड़ दिए और धमकी देते हुए चले गए। उक्त लोग जाते समय गल्ले से 2 लाख 50 हजार रुपये की नकदी और सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर भी साथ ले गए। मुंशी ने रविवार को पुलिस को लिखित शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

वरष्ठि कांग्रेस नेता ओढ़ ने ग्रामीणों से संवाद साधा

- भाजपा ने 10 वर्षो के शासनकाल में प्रदेश को विकास के मामले में धकेला पीछे : महेंद्र
- पूर्व सीएम हुड्डा के नेतृत्व में प्रदेश में बनेगी कांग्रेस की सरकार : ओढ़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

भारतीय जनता पार्टी के 10 वर्षो के शासनकाल से मुक्ति दिलाने के लिए कांग्रेस ने हरियाणा मांगें हिसाब नाम से अभियान शुरू किया है, जिसके तहत भाजपा शासनकाल में बढ़े अपराध, बेरोजगारी, नशे सहित अन्य समस्याओं के बारे में आमजन को अवगत करवाने के साथ ही भाजपा से हिसाब भी मांगा जा रहा है। इसी कड़ी में वरष्ठि कांग्रेस नेता महेंद्र सिंह ओढ़ ने गांव बड़सी, मिलकपुर, ढ़ाणी कुशाल, बवानीखेड़ा सहित विभन्नि गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया तथा कांग्रेस की नीतियों से ग्रामीणों से अवगत करवाया।

ओढ़ ने ग्रामीणों से बातचीत में कहा कि भाजपा ने अपने 10 वर्षो के शासन के दौरान प्रत्येक जन का जीना दुश्वार कर दिया। भाजपा की नीतियों से प्रत्येक वर्ग परेशान है तथा सबसे अधिक नकारात्मक प्रभाव युवा वर्ग पर पड़ा है, क्योंकि भाजपा सरकार ने युवाओं से उनके रोजगार के अधिकार ही छीन लिया,जिसके चलते कांग्रेस शासनकाल में कभी विकास व रोजगार के मामले में देश भर में अव्वल स्थान पर आने वाला हरियाणा आज बेरोजगारी व भ्रष्टाचार के मामले में अव्वल राज्यों में गिना जाता है। ओढ़ ने कहा कि भाजपा की इन्ही जनविरोधी नीतियों के चलते जनता ने भाजपा को सत्ता से बेदखल करने का मन बना लिया तथा आने वाला समय कांग्रेस का होगा। उन्होंने दावा किया वर्ष 2024 में प्रदेश में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार बनेगी, जिसके बाद प्रदेश में विकास की ब्यार बहेगी। इस अवसर पर नत्थुराम गुज्जर, शेर सिंह पूर्व सरपंच, महेंद्र सिंह पूर्व सरपंच, पवन, प्रताप सैनी, कृष्ण पंडित, मांगेराम ओढ़, रणजीत पंडित सहित अन्य ग्रामीण भी मौजूद रहे।

बवानीखेड़ा। गांव बड़सी में ग्रामीणों से बातचीत करते वरष्ठि कांग्रेस नेता महेंद्र सिंह ओढ़। फोटो : हरिभूमि

पार्षद रितु प्रजापति के घर बेटी के रूप में आई लक्ष्मी

- परिजनों ने थाली बजाकर बांटी मिठाई

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के वार्ड 11 की महिला पार्षद रितु प्रजापति ने बेटी को को जन्म दिया। बेटी के रूप में जन्मी लक्ष्मी के जन्म लेते ही परिजनों ने थाली बजाकर खुशी जताई व पूरे मौहल्ले में मिठाई बांटी। बेटी के पिता औमपाल नाहड़यिा, ताऊ समाजसेवी श्रीभगवान नाहड़यिा ने कहा कि उनकी घर साक्षात लक्ष्मी विराजमान हई है। इससे पहले भी पार्षद रितु प्रजापति के द्वारा बेटियो के अधिकार के लिए काम किया, बेटियो को शक्षिा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और उन्हें मत का प्रयोग करके नारी को सशक्त करने के लिए मिशाल पैदा की है। बवानी खेड़ा के वार्ड नंबर 11 को छोड़कर सभी वार्डो में पुरुष मतदाता अधिक है, परंतु वार्ड 11 में नगरपालिका की नई मतदाता लस्टि में 1042 कुल मतदाता में से 522 महिला और 520 पुरुष मतदाता है। अब पार्षद की समय अवधि खत्म होने माता रानी की से विशेष मांग पर रितु प्रजापति पार्षद वार्ड न 11 के घर बेटी ने जन्म लिया,जिसके जन्म पर समाज को एक अच्छा संदेश देते हुए नवजात शिशु के जन्म पर थाली बजाई और बताया की बेटा बेटी सभी को बराबर का अधिकार है। सभी को बेटी को बराबर का दर्जा देना चाहिए। वहीं पुत्री के जन्म पर पिता औमपाल नाहड़यिा ने बताया कि बेटियां दो वंश चलाती है और बेटी का आगमन उनके लिए बहुत मायने रखता है।

पंचायत ने जनहित उम्मीदवार को विपक्षी गठबंधन द्वारा मैदान में लाने की पेशकश की

दलबदलुओं को सबक सिखाने के लिए योग्य उम्मीदवार उतारा जाए

हरिभमि न्यूज ▶▶ तोशाम

तोशाम हल्के के 106 गांव के मौजिज लोगों, नौजवानों, किसान, मजदूर व महिलाओं की सर्वजातीय महापंचायत का आयोजन रविवार को क्षेत्र के गांव देवराला के कम्युनिटी हाल में हुआ। जिसकी अध्यक्षता सर्वजातीय 7 सदस्यीय अध्यक्ष मण्डल सर्व जगदीश यादव हेतमपुरा, गुलाब सिंह दांग, बीरसिंह दुल्हेड़ी, सुरतसिंह मलिक जुई, ओमप्रकाश जोगी मण्ढान, अमित शर्मा पोहकरवास व अमरचन्द पहलवान देवराला ने संयुक्त रूप से किया। मंच संचालन कुलदीप पटौदी व सन्दीप लाला देवराला ने संयुक्त रूप से किया। महापंचायत में अपनी बात रखते हुए विभन्नि वक्ताओं ने कहा कि आज देश में राजग सरकार जो दोबारा 18वीं लोक सभा चुनाव में चुनकर आई है, वह वही जनविरोधी नीतियां लागू कर रही है जो किसान, मजदूर व आम जनता विरोधी हैं। इसलिए कारपोरेट के तमाम संसाधनों का इस्तेमाल करके व सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग करके पुनः सत्ता में आ गई, जिससे देश के संविधान, लोकतन्त्र व संघीय ढांचे को खतरा बना हुआ है, वही भाजपा की राज्य सरकार पिछले 10वर्षों से किसानों, मजदूरों, महिलाओं व कर्मचारियों के विरुद्ध काम कर रही है, राज्य में भंयकर बेरोजगारी, भ्रष्टाचार व कानून व्यवस्था खराब हो चुकी है, आगामी विधानसभा चुनाव में उसको सत्ता से बाहर करना है, इसलिए विपक्ष को इन्डिया गठबंधन को मजबूत करते हुए भाजपा विरोधी वोटों में हर हालत में विभाजन को रोकना है। इसके लिए तोशाम हल्के में दलबदलुओं को सबक सिखाते हुए क्षेत्र से किसी ऐसे योग्य उम्मीदवार को उतारा जाए, जो इलाके की जनता के साथ उसके आन्दोलन दुख दर्द में हमेशा खड़ा रहता हो तथा सामाजिक तौर पर इलाके की जनता से रसूख रखता है। सर्व सम्मति से यह राय इन्डिया गठबंधन व कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को अवगत कराने वास्ते महापंचायत ने उपरोक्त प्रस्ताव पास करके 11 सदस्यीय कमेटी नियुक्त की। उसके बाद कमेटी बैठकर सारी परस्थितियों को ध्यान में रखकर आगामी चुनाव हेतु भाजपा को हराने के लिए काम करेगी।

तोशाम। एकत्रित लोगों को संबोधित करते एक वक्ता। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस दौरान महापंचायत में कई विपक्षी पार्टियों, सामाजिक संगठनों, गणमान्य व्यक्तियों तथा जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया जिनमें मुख्य रूप से कामरेड ओमप्रकाश, शिवलाल शास्त्री, कमल सिंह प्रधान, बिमला चौधरी सण्डवा, असन सांगवान, अनिल शेषमां, दीपक सरपंच प्रतिनिधि देवराला, राजबीर बीडीसी, रमेश टमाटर वाला, मास्टर शेर सिंह, मनेन्द्र बागनवाला, अशोक कड़वासरा, छोटूराम बिजलानाबास, युद्धवीर खरेटा, दयानन्द हवलदार सहित दर्जनों वक्ताओं ने महापंचायत में विचार रखे।

31 तक करें पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

- डीसी बोली राष्ट्रपति द्वारा किया जाएगा चयनित बच्चों को पुरस्कृत

डीसी मंदीप कौर

डीसी मन्दीप कौर ने कहा कि 31 जुलाई तक पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकन करें। डीसी ने कहा कि राष्ट्रपति द्वारा किया चयनित बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा। डीसी मन्दीप कौर ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। इनमें राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के तहत बहादुरी, खेलकूद, सोशल साइंस, वज्ञिान एवं तकनीक पर्यावरण सहित आर्ट एवं कल्चर के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चे जिनकी आयु 31 जुलाई को 5 वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक हो, को वर्ष 2025 के जनवरी माह में आयोजित होने वाले समारोह में राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

अवार्ड की घोषणा 26 दिसंबर 2024 को राष्ट्रीय वीर बाल दिवस के अवसर पर की जाएगी। उन्होंने बताया कि बाल पुरस्कार को दो श्रेणियों नामतः बाल वीरता पुरस्कार व बाल उत्कृष्टता पुरस्कार में विभाजित किया गया है। इन दोनों श्रेणियों में 25 बच्चों का चयन किया जाएगा।

सूचना

मैं, अनिल कुमार पुत्र रामपाल गांव दमकौरा, पोस्ट बरालु, तहसील लोहारू जिला भिवानी बयान करता हूं कि मेरी भारतीय जीवन बीमा निगम की पॉलिसी व अन्य कागजात में मेरा नाम अनिल कुमार व जन्मतिथि 04.05.1999 है। उसकी जगह मेरा नाम सोनू कादयान व जन्मतिथि 15.08.2002 लिखी व पढ़ी जाये। यह है कि मुझे आगे से सोनू कादयान के नाम से जाना जाये।

खबर संक्षेप

कर्मचारियों की पुरानी पेंशन की मांग जायज : सांगवान

चरखी दादरी। पुरानी पेंशन बहाली की मांग जायज है, सरकार को तुरंत प्रभव से कर्मचारियों की इस मांग को पूरा करना चाहिए। ये बात कांग्रेस वरष्ठि नेत्री डॉ. मनीषा सांगवान ने कर्मचारियों के धरने पर समर्थन देते हुए कही। मनीषा ने कहा कि भाजपा सरकार ने वर्ग को दुःखी कर दिया है। चाहे कर्मचारी, व्यापारी, किसान व सरपंच को अपने हकों के लिए आंदोलन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है, लेकिन सरकार अपने हकों के लिए आंदोलन करने वाले लोगों की बात सुनने की बजाये तानाशाही रवैया अपनाते हुए उसे दबाने का प्रयास करती है।

सफाई न होने से शहर हो जाता जलमग्नः कुलदीप

भिवानी। सीवर व नालों की सफाई न होने से भिवानी शहर में जरा सी बरसात होने पर सीवर व नाले जोहड़ का रूप धारण कर लेते हैं। इससे आम नागरिकों का अपने घर से निकलना भी दूभर हो जाता है। सैक्टर 13 में सीवर व नाले ओवरफ्लो होने से पानी सड़क पर बहने लगता है, जिससे की सड़क पर बड़े बड़े गड्ढें हो जाते हैं और वहां रहने वाले नागरिकों का अच्छी खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उक्त बात आजाद सेना के संस्थापक अध्यक्ष अधिवक्ता कुलदीप शर्मा ने अपने कार्यालय में कही। उन्होंने कहा कि अब बरसात का मौसम आ गया है। सीवर व नालों की अब तक सफाई नहीं हुई है। इस दौरान अगर बारिश आती है तो पूरा शहर व सेक्टर पानी से जलमग्न हो जाएगा।

नप चेयरमैन ने दिया सम्मेलन का न्योता

चरखी दादरी। भाजपा द्वारा आगामी 16 जुलाई मंगलवार को प्रदेश स्तरीय पिछड़ा वर्ग सम्मान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में पिछड़ा वर्ग सहित समस्त वर्गों के नागरिकों की भागीदारी को सुनश्चिति करने के लिए भाजपा पदाधिकारियों द्वारा हर जिले में लोगों से मिलकर उन्हें निमंत्रण देते हुए अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का न्योता दिया जा रहा है। ये बात नगर परिषद चेयरमैन बख्शीराम सैनी ने पार्टी के नेताओं के साथ जनसंपर्क की कमान संभाले हुए कही। चेयरमैन बख्शीराम सैनी कई दिन से पूरे जिले के शहरी, ग्रामीण इलाकों में पहुंचकर सभी वर्गों के नागरिकों से मिल रहे है और उन्हें सम्मेलन में पहुंचने का न्योता दे रहे है।

हरियाणा और राजस्थान बॉर्डर पर वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति लगाएगी 2024 पौधे

70 वर्ष के बेटों ने 90 वर्षीय मां के नाम लगाए पौधें, संरक्षण की जिम्मेदारी भी ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किए एक पेड़ मां के नाम अभियान और वन महोत्सव के तहत नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति द्वारा हरियाणा व राजस्थान के बॉर्डर पर पौधरोपण किया। अभियान में कई परिवार एवं संगठन, ग्राम पंचायत और युवा मंडल से प्रतिनिधि जुड़े हैं। अभियान के तहत भिवानी जिले के लोहारू हरियाणा बॉर्डर और राजस्थान झुंझुनू सूरजगढ़-चिड़ावा मार्ग पर पौधरोपण किया, जिसका शुभारंभ हरियाणा के लोहारू और राजस्थान की सीमा पर 85 वर्षीय लक्ष्मी और एक पेड़ मां के नाम वन महोत्सव 2024 के संयोजक राष्ट्रपति अवार्डी अशोक भारद्वाज ने शुरू किया।

राजस्थान की 90 वर्षीय गोदावरी देवी ने अपने बेटे 70 वर्षीय मुरारीलाल, 50 वर्षीय नरोत्तम शर्मा और 47 वर्षीय ओमप्रकाश सहित पोते,पोती और दयोतियों के साथ पौधरोपण किया। समिति के अध्यक्ष एवं राष्ट्रपति अवार्डी भारद्वाज हर वर्ष हरियाणा और राजस्थान के बॉर्डर पर पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाकर लोगों को पेड़ पौधों और पानी के संरक्षण की अपील करते हैं और बारिश मौसम में वन महोत्सव के तहत पौधरोपण किया जाता है। स्कूल कॉलेज, धार्मिक संस्थान, युवा एवं महिला मण्डलों,ग्राम पंचायत, किसान और युवाओं व विद्यार्थियों को अभियान में जोड़ा जा रहा है। कहा कि काफ़ी शक्षिण संस्था, युवा और गाँवों से युवा मंडल और ग्राम पंचायत जुड़ रही हैं। भारद्वाज ने कहा हमें अधिक से अधिक वन महोत्सव एवं एक पेड़ मां के नाम प्रधानमंत्री की थीम 2024 के तहत पौधें लगाने चाहिए।

भिवानी। एक पौधा मां के नाम पौधरोपण करते मुरारीलाल व अन्य।

बलाली में पर्यावरण संरक्षण को लगाए अनेक पौधें

भिवानी। गांव बलाली स्थित हनुमान मंदिर, जोहड़ व बंजर पड़ी जमीन पर युवकों ने मास्टर विजय सांगा, सरपंच बनद्रिज, मास्टर नरेश बलाली व प्रदीप के मार्गदर्शन में सैंकड़ों पौधें लगाए। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए हरियाली को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। नीम, बड़, पीपल सहित अनेक औषधीय पौधें बलाली के सरपंच ने उपलब्ध करवाए, जन्हिें बलाली के युवाओं द्वारा गांव के विभन्नि स्थानों पर जरूरत अनुसार रोपित किया। इस दौरान सुरेन्द्र फौजी, अनिल हवलदार, पवन, अरविंद का विशेष सहयोग रहा। सरपंच ने ग्रामीणों को पौधें वितरित कर एक-एक पौधा लगाकर पेड़ बनने तक उनका संरक्षण करने का संकल्प दिलवाया।

भिवानी। पौधरोपण अभियान के दौरान लोगों को पौधे भेंट करते ।

दुर्गा सेवा सहयोग संस्था ने चलाया पौधरोपण कार्यक्रम

- पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण हमारी प्राथमिकता रहें : बडगुजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

ढाणा नरसान में जाट धर्मशाला में नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था ने विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में हरियाणा एससी कमिशन के वाइस चेयरमैन विजेंद्र बडगुजर ने शिरकत की। बडगुजर ने पौधरोपण का महत्व बताते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधरोपण से न केवल पर्यावरण को संरक्षित किया जा सकता है, बल्कि इससे समाज में हरित आवरण को भी बढ़ावा मिलता है। संस्था के सदस्य एवं स्थानीय निवासियों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हस्सिा लिया और विभन्नि प्रकार के पौधें लगाए। कार्यक्रम के दौरान पौधों की देखभाल और संरक्षण के बारे में भी जागरूकता फैलाई गई। संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी, पर्यावरण प्रेमी जेई बिजेश जावला, मास्टर सुरेंद्र राहड़ व पार्षद विनोद प्रजापति ने बताया कि हरियाली और स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए ऐसे विशेष अभियान चलाने चाहिए। इस अवसर पर अतिथियों ने समाजसेवा में विशेष योगदान करने वाले लीला पहलवान को देकर स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला प्रभारी भारत स्वाभिमान न्यास आत्मप्रकाश टुटेजा, पूर्व सरपंच मनोज आदि मौजूद रहे।

भिवानी। पौधरोपण करते सरपंच प्रतिनिधि महेश फौजी, बीके वसुधा बहन व अन्य पर्यावरण प्रेमी। फोटो :हरिभूमि

सुरक्षित भवष्यि के लिए प्रकृति संरक्षण एकमात्र रास्ताः फौजी

- नौजवानों के लिए पर्यावरण संरक्षण का काम स्वतंत्रता संग्राम जैसा : वसुधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

मानव जाति के सुरक्षित भवष्यि के लिए प्रकृति का संरक्षण ही एकमात्र रास्ता है। पर्यावरण किसी जाति,धर्म, सम्प्रदाय, क्षेत्र का नहीं बल्कि समस्त जीव जगत का विषय है, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय वश्विवद्यिालय की कादमा शाखा में मेरा भारत हरित भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि महेश फौजी ने व्यक्त किए। इस मौके पर कादमा-झोझूकलां क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने कहा कि आज के नौजवानों के लिए पर्यावरण संरक्षण का काम स्वतंत्रता संग्राम जैसा ही है। इसके लिए सम्पूर्ण मनोयोग से जुट जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब बातें करने का नहीं व्यवहार बदलने का समय है। व्यवहार में सकारात्मकता के लिए आध्यात्मिकता आवश्यक है, जिसके लिए हमें हररोज मेडिटेशन राजयोग का अभ्यास करना चाहिए, क्योंकि मानसिक प्रदूषण को हम मेडिटेशन से सकारात्मक चिंतन से ठीक कर सकते हैं, जिसका प्रभाव समूचे पर्यावरण पर पड़ेगा। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने नागरिकों से आग्रह किया कि अपने बच्चों के लिए भौतिक साधनों की बजाय अपनी सकारात्मक सोच के साथ सांस लेने के लिए शुद्ध हवा और पानी छोड़कर जाना प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रकृति शोषण का विचार ही मनुष्य की सबसे बड़ी नादानी है। वंचित जनजागृति ट्रस्ट के संस्थापक बिशन सिंह आर्य एवं जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र आर्य ने पर्यावरण चेतना को लेकर समाज के व्यवहार पर तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा जिस डाली पर बैठे हैं, उसे ही काटने का काम कर इतिहास में मूर्खता की नई मिसाल बना रहे हैं। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज पार्क में 21 फलदार पौधें लगाए। इस मौके पर सुबे स्वामी पंच, सूबेदार रोहतास सांगवान, रामबास सरपंच प्रतिनिधि अशोक शर्मा, सतबीर, पूर्व पुलिस अधिकारी रामकुमार, बहादुर सेठ, ब्रह्माकुमारी नीलम, रेखा बहन, ब्रह्माकुमार मास्टर सुनील, दीपक, धर्मवीर, चंद्रभान व मनोज आदि उपस्थित थे।

हनुमान जोहड़ी मंदिर परिसर में लगाए पौधे

- पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए पौधरोपण व संरक्षण बेहद जरूरी : एक्सईएन
- पर्यावरण असंतुलन के कारण बढ़ती है प्राकृतिक आपदाओं व बीमारियां : चरणदास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पर्यावरण पर पूरी प्रकृति नर्भिर करती है। गर्मी, सर्दी, वर्षा आदि सब कुछ प्रकृति के संतुलन पर नर्भिर करते हैं। वहीं पर्यावरण में असंतुलन बढ़ने से न केवल प्राकृतिक आपदाएं बढ़ती है, बल्कि अनेक बीमारियां भी जन्म लेती है, ऐसे में पर्यावरण के संतुलन को बरकरार रखने के लिए जरूरी है कि अधिक से अधिक पौधरोपण कर उनके पेड़ बनने तक संरक्षण किया जाए। ये बात जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन सूर्यकांत ने रविवार को हनुमान ढ़ाणी स्थित हनुमान जोहड़ी मंदिर के स्वामी विवेकानंद सभागार प्रांगण में पौधरोपण करते हुए कही। कार्यक्रम का आयोजन पर्यावरण प्रहरी विजय सिंहमार ने किया, जिसमें मंदिर के महंत बालयोगी चरणदास महाराज का सान्नध्यि रहा। एक्सईएन सूर्यकांत ने कहा कि अधिक से अधिक पौधों का रोपण कर हम बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को रोक सकते है। सर्फि पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि रोपित पौधों के पेड़ बनने तक की जम्मिेदारी उठानी होगी, तभी स्वच्छ पर्यावरण का स्वप्न पूरा हो पाएगा। महंत चरणदास ने कहा कि प्रकृति समृद्ध एवं संतुलित होगी और मौसम भी समयानुकूल संतुलित रहेंगे और प्रकृति असंतुलित होगी तो पर्यावरण भी असंतुलित होगा और अकाल, बाढ़, भूस्खलन, भूकंप आदि विभन्नि प्रकार की प्राकृतिक आपदाएं कहर ढ़हाती रहेगी। सिंहमार व शहीद-ए-आजम वीर उधम सिंह महासभा के प्रदेशाध्यक्ष राजू मेहरा ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से बचने और पर्यावरण को शुद्ध बनाएं रखने के लिए पेड़-पौधों का होना बहुत जरूरी है। इस मौके पर डॉ. ओमबीर कौशिक, राहुल सहित अनेक पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे।

भिवानी। हनुमान जोहड़ी मंदिर के स्वामी विवेकानंद सभागार में पौधरोपण करते जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन सूर्यकांत, महंत चरणदास व अन्य।

पार्ट टाइम कर्मचारियों की बैठक संपन्न, पक्का करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

रविवार को लाल बहादुर शास्त्री पार्क में राजकीय वद्यिालयों में कार्यरत पार्ट टाइम कर्मचारियों की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। जिसमें पार्ट टाइम कर्मचारियों ने सरकार से उन्हें पक्का करने की मांग की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला सचिव विजय दमकोरा ने बताया कि राजकीय वद्यिालयों में पार्ट टाइम कर्मचारी पिछले दो दशकों से अपनी सेवाएं दे रहे है परन्तु इन्हें अभी तक नियमित नही किया गया है। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के खंड प्रधान डॉ. सुरेश भारद्वाज ने पार्ट टाइम कर्मचारियों की मांग को जायज ठहराते हुए कहा कि शक्षिा विभाग में कार्यरत पार्ट टाइम कर्मचारियों को 2003 की पॉलिसी के तहत पक्का किया जाना चाहिए। पार्ट टाइम कर्मचारी यूनियन के खंड प्रधान अनिल मेचु ने कहा कि सरकार पार्ट टाइम कर्मचारियों को पक्का करने के अपने वादे को पूरा करे। बैठक में सभी पार्ट टाइम कर्मचारियों ने उनके साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस बैठक में विजयन्ता, बिरमा देवी, लाली, सुनीता, शारदा, नर्मिला, महेंद्र नेहरा, बीरबल, सोमबीर दलाल, सोमबीर बड़्दु, हजारी लाल, दीवानचंद, राजेश,बिजेंद्र, हरिकिशन, भागीरथ, कुलदीप, राजेश नेहरा,मुकेश आदि मौजूद रहे।

लोहारू। लाल बहादुर शास्त्री पार्क में नारेबाजी करते हुए पार्ट टाइम कर्मचारी।

पूर्व मंत्री की पुण्यतिथि पर करवाया हवन

महेंद्रगढ़। हरियाणा के पूर्व ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री स्वर्गीय राव दलीप सिंह की 23वीं पुण्यतिथि पर उनके बेटे राजेंद्र राव राजू ने उनकी समाधि पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर परिवार के सभी लोगों ने घर पर हवन करवाया। स्वर्गीय राव दलीप सिंह अपने जीवन काल में हरियाणा सरकार में चार बार मंत्री एवं विधायक रहे। उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पूर्व को-आपरेटिव बैंक चेयरमैन रामकुमार यादव, मुकेश सरपंच मेघनवास, दिनेश मांडोला, ठेकेदार शकुंत कुराहवटा, जोगेंद्र पटवारी रिवासा आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

शिविर में 50 लोगों की आंखें जांची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

रविवार को शर्मा नर्सिंग एवं मैटरनिटी होम प्रांगण में भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा हिसार द्वारा संचालित दव्यिांग पुनर्वास एवं स्वास्थ्य केंद्र तथा लाल देवी चंद्र ग्रोवर निःशुल्क कृत्रिम नर्मिाणशाला के सहयोग से निःशुल्क शिविर लगाया।

शिविर का उद्देश्य लोगों की आंखों की जांच करना उन्हें निःशुल्क दवाइयां देना तथा आवश्यकता अनुसार सफेद मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए पंजीकरण करना था। शिविर में 50 से अधिक लोगों की आंखों की जांच की गई, जिसमें पांच व्यक्ति ऐसे मिले जन्हिें सफेद मोतियाबिंद ऑपरेशन की आवश्यकता थी। पांच मरीजों को चयनित कर उन्हें निःशुल्क ऑपरेशन के लिए समय और स्थान बताकर बुलाया गया। इस मौके पर कृत्रिम अंग वितरण टीम से करीबन 10 दव्यिांग लोगों ने जांच करवाई जन्हिें कृत्रिम अंग की आवश्यकता थी। उन्हें कृत्रिम निःशुल्क अंग प्रदान किया तथा एक व्यक्ति को व्हील चेयर का सुझाव दिया। इस दौरान नेत्र जांच शिविर में हिसार से खुशीराम गोयल, डॉक्टर विकास कुमारी पायल, प्रदीप श्रीरामपुर, रामकृष्ण तथा वक्रिम ने अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर में एनीमिया व सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया, जिसमें 100 से अधिक लोगों के हीमोग्लोबिन रक्त की निःशुल्क जांच की। शिविर में शाखा तोशाम के अध्यक्ष संजय गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष डॉ.रणसिंह, महिला प्रधान डॉक्टर प्रमिला शर्मा, तोशाम के सरपंच राजेश तंवर, एडवोकेट सुरेंद्र शर्मा, मास्टर राजकुमार जांगड़ा आदि मौजूद रहे।

आरोपी से 2 किलो 202 ग्राम डोडा पोस्ट बरामद

हरिभमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पुलिस की सीआईए स्टाफ-2 टीम ने नजदीक टोल प्लाजा नौरंगाबाद से एक व्यक्ति को मादक पदार्थ डोडा पोस्त के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से दो किलो 202 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सीआईए स्टाफ-2 भिवानी के सहायक उप निरीक्षक राजेश कुमार अपनी टीम के साथ गश्त पड़ताल ड्यूटी बस अड्डा निनाण मौजूद थे। जो पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई की नजदीक टोल प्लाजा नौरंगाबाद के पास भठे के सामने एक व्यक्ति प्लास्टिक का कट्टा लेकर खड़ा हुआ है जिसमें मादक पदार्थ डोडा पोस्त है। पुलिस टीम के द्वारा सूचना की महत्वता को देखते हुए बताए गए स्थान पर रेड करके एक व्यक्ति को मादक पदार्थ डोडा पोस्त के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राहुल पुत्र रमेश निवासी महाराणा जिला चुरु, राजस्थान के रूप में हुई है।

कार्यक्रम दहेज लेना और देना दोनों ही पाप के समानः दुल्हा

सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से नेत्रहीन परिणय सूत्र में बंधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी के बाबा नगर स्थित दृष्टि बाधित दव्यिांग सशक्तिकरण संस्था ने रविवार को नेत्रहीनों का विवाह उत्सव आयोजित किया, जिसमें अनेक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे और वर भूपेंद्र व वधु बिमला को आशीर्वाद देकर वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि वधु बिमला भिवानी और वर भूपेंद्र सिंह पानीपत के रहने वाले हैं। दोनों दव्यिांगजनों का गाजे बाजे, जलपान व फेरा मंडप सभी व्यवस्थाओ के साथ विवाह उत्सव संपन्न हुआ। दृष्टिहीन वर भूपेंद्र और वधु बिमला ने कहा कि आज उनकी शादी हुई है, जिससे वे काफी खुश हैं। वर भूपेंद्र ने कहा कि उन्होंने बिना दहेज की शादी की है और दहेज लेना और देना दोनों ही पाप के समान हैं, इसलिए समाज को इस बुराईया को समाप्त करने के लिए ईमानदारी से एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। दृष्टिबाधित दव्यिांग सशक्तिकरण संस्था के संचालक लालचंद यादव ने बताया कि ये वद्यिालय वो किराए के भवन में संचालित कर रहे हैं और अब तक काफी शादियां करवा चुके हैं और दृष्टिहीनों को रोजगार भी उपलब्ध करवा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन या नप उन्हें जमीन का टुकड़ा उपलब्ध करवा दे तो वे दृष्टिहीनों के लिए अच्छा शिक्षण संस्थान चला सकते हैं।

नेत्रहीन वर वधु को आशीर्वाद देते सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि।

ये रहे मौजूद

शादी समारोह में दीपक अग्रवाल, मामनचंद, वष्णिु केड़िया, राजेश कुमार ने कहा विशेष युवक-युवतियों के सहयोग के लिए हर वर्ग को आगे आना चाहिए। इस अवसर पर प्रधान सीताराम सर्राफ, रामअवतार गुप्ता, श्रीरामचंद सिंघला, किशनलाल, संजय सिंघला, रामनिवास, गोपाल, मंगतराम अग्रवाल, संजय गुप्ता, नरेश गोयल, नत्थूराम केडिया, दव्यिांग अधिकार मंच के प्रदेशाध्यक्ष संजय अग्रवाल, राष्ट्रपति अवार्डी अशोक भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।